एम. कॉम

तृतीय सत्र

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम)

सत्रीय कार्य

2026

जनवरी 2026 तथा जुलाई 2026 प्रवेश सत्र के लिए

तृतीय सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि
तृतीय सत्र

सत्रीय कार्य - 2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2026 और जुलाई 2026)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2026** है।

2. जो **जुलाई 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2027** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अनुसंधान विधियाँ एवं सांख्यिकीय विश्लेषण**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03/टी. एम. ए./ 2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) व्यावसायिक निर्णय लेने में अनुसंधान के महत्व पर चर्चा कीजिए। मूल)Basic) अनुसंधान एवं अनुप्रयुक्त)Applied) अनुसंधान की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। (10+10)

   (ख) अनुसंधान योजना)Research Plan) क्या है? एक व्यवहार्य परिकल्पना)Workable Hypothesis) के निर्माण के महत्व पर भी चर्चा कीजिए।

2. (क) अनुसंधान में मापन)Measurement) और स्केलिंग)Scaling) की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए तथा मापन के चार स्तरों) नाममात्र—Nominal), क्रमिक)Ordinal), अंतराल)Interval) एवं अनुपात)Ratioका भी वर्णन कीजिए। ((10+10)

   (ख) सहसंबंध)Correlation) क्या है? व्यावसायिक अनुसंधान में प्रतिगमन विश्लेषण)Regression Analysis) के उपयोग की व्याख्या कीजिए।

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:** (4 X 5)

   (क) "प्रतिचयन विधि का चयन लागत, गति और सटीकता के बीच संतुलन पर निर्भर करता है।"

   (ख) "डेटा की चित्रात्मक एवं ग्राफिक प्रस्तुति अपरिष्कृत आँकड़ों की जटिलता को कम करती है।"

   (ग) "काई "स्क्वायर-(Chi-Square) परीक्षण गुणों की स्वतंत्रता तथा उपयुक्तता परीक्षण के लिए एक प्रभावी उपकरण है।"

   (घ) "सूचकांक संख्याओं को अक्सर कहा जाता है क्योंकि वे समय के साथ चरों में होने वाले 'आर्थिक बैरोमीटर' परिवर्तनों को मापती हैं।"

4. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:** (4 X 5)

   (क) द्वितीयक डेटा के उपयोग में सावधानियाँ।

   (ख) समय) श्रेणी-time Seriesके घटक। (

   (ग) परिकल्पना परीक्षण में मानक त्रुटि)Standard Error) का महत्व।

   (घ) औपचारिक अनुसंधान प्रतिवेदन की संरचना एवं प्रारंभिक सामग्री।

5. **निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए:** (4 X 5)

   (क) डेटा संग्रह की प्रश्नावली)Questionnaire) और अनुसूची)Schedule) विधियां।

   (ख) केंद्रीय प्रवृत्ति के माप)Measures of Central Tendency) और विचरण के माप)Measures of Variation)

   (ग) द्विपद वितरण)Binomial Distribution) एवं पॉइसन वितरण)Poisson Distribution)।

   (घ) प्रकार-I त्रुटि एवं प्रकार-II त्रुटि ।